14 (HIN–4) 4026

2022

HINDI

Paper : HIN–4026

(Hindi Aalochanā, Pramukh Aalochak Evam Aadhunik Vimarsh)

(हिन्दी आलोचना, प्रमुख आलोचक एवं आधुनिक विमर्श)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. सही विकल्प का चयन करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) भारतेन्दु इरिश्चन्द्र ने किस विधा पर एक लेख लिखकर हिन्दी में आलोचना का सूत्रपात किया था ?

(i) कविता

(ii) निबन्ध

(iii) उपन्यास

(iv) नाटक

(ख) भारतेन्दुयुगीन किस समाचार-पत्र में अपेक्षाकृत गंभीर आलोचनाएँ प्रकाशित होती थीं ?

(i) उदन्त मार्तण्ड

(ii) हिन्दी-प्रदीप

(iii) प्रजामित्र

(iv) बनारस अखबार

(ग) फ्रांसीसी लेखक सिमोन द बुआ की स्त्री-विमर्श संबंधी पुस्तक 'द सेकंड सेक्स' का प्रकाशन-वर्ष है –

(i) 1949 इ॰

(ii) 1959 ई॰

(iii) 1939 ई॰

(iv) 1955 ई॰

(घ) स्त्री-विमर्श से जुड़ी पुस्तक 'बाधाओं के बावजूद नयी औरत' की रचयिता हैं –

(i) क्षमा शर्मा

(ii) नासिरा शर्मा

(iii) उषा महाजन

(iv) मैत्रेयी पुष्पा

(ङ) ''प्राचीन साहित्य के मूल्यांकन में हमें मार्क्सवाद से यह सहायता मिलती है कि हम उसकी विषय-वस्तु और कलात्मक सौन्दर्य को ऐतिहासिक दृष्टि से देखकर उनका उचित मूल्यांकन कर सकते हैं।''

– यह कथन किस समीक्षक का है ?

(i) शिवदानसिंह चोहान

(ii) डॉ॰ नामवर सिंह

(iii) मन्मथनाथ गुप्त

(iv) डॉ॰ रामविलास शर्मा

(च) बाबू श्यामसुन्दर दास थे –

(i) पत्रकार-आलोचक

(ii) अध्यापक-आलोचक

(iii) साहित्यकार-आलोचक

(iv) विशुद्ध आलोचक

(छ) 'साहित्यालोचन' नामक ग्रंथ कुल कितने अध्यायों में विभाजित है ?

(i) छः

(ii) सात

(iii) आठ

(iv) नौ

(ज) अशुद्ध युग्म है –

(i) साहित्य सहचर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) सिद्धान्त और अध्ययन – बाबू गुलाबराय

(iii) रस-मीमांसा – डॉ॰ नगेन्द्र

(iv) बिहारी की वाग्विभूति – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र

(झ) 'हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी' नामक आलोचनात्मक ग्रंथ में प॰ रामचन्द्र शुक्ल पर लिखित कितने लेख संकलित हैं ?

(i) तीन

(ii) दो

(iii) चार

(iv) एक

(ञ) 'नयी कविता के प्रतिमान' नामक समीक्षा-ग्रंथ के रचयिता हैं –

(i) डॉ॰ नामवर सिंह

(ii) डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी

(iii) लक्ष्मीकान्त वर्मा

(iv) गजानन माधव मुक्तिबोध

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अत्यन्त संक्षेप में दीजिए : 2×7=14

(क) रीतिकाल में हिन्दी आलोचना किस रूप में दिखाई पड़ती है ?

(ख) भारतेन्दु-युग के किन्हीं दो प्रसिद्ध समीक्षकों (भारतेन्दु से भिन्न) का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) "साहित्य क्षेत्र में ग्रंथ को पढ़कर उसके गुणों और दोषों का विवेचन करना और उसके संबंध में अपना मत प्रकट करना आलोचना कहलाता है।"

—यह कथन किस समीक्षक का है ? किस ग्रंथ में यह कथन आया है ?

(घ) सैद्धान्तिक आलोचना किसे कहते हैं ?

(ङ) प्रभाववादी आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(च) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना-दृष्टि की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) डा॰ नगेन्द्र द्वारा विरचित 'सुमित्रानन्दन पन्त' नामक समीक्षात्मक पुस्तक के बारे में आचार्य शुक्ल की राय क्या है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) हिन्दी आलोचना को मिश्रबन्धुओं की प्रमुख देन क्या-क्या हैं ?

(ख) आदिवासी विमर्श पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-विरचित 'हिन्दी-साहित्य की भूमिका' शीर्षक आलोचनात्मक कृति के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(घ) हिन्दी में प्रगतिवादी समीक्षा का विकास किस प्रकार से हुआ ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं तीन*** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ख) दलित विमर्श के स्वरूप एवं विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

(ग) हिन्दी आलोचना को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की देन पर आलोकपात कीजिए।

(घ) डॉ॰ नामवर सिंह के समीक्षा-सिद्धान्तों का खुलासा कीजिए।

(ङ) हिन्दी आलोचना के सन्दर्भ में बाबू श्यामसुन्दर दास के महत्व का आकलन कीजिए।

(च) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की आलोचना-दृष्टि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

———————